एलआईसी गेटवे लिटफेस्ट में युवा लेखकों का जश्न

“भारतीय साहित्य में युवाओं की ताकत”

- *इस साल 40 ऐसे लेखक आकर्षण के केंद्र में होंगे, जिन्हें साहित्य युवा पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है।*
- *22 भारतीय भाषाओं को 60 लेखक होंगे शामिल*

भारतीय भाषाओं में लेखन को प्रोत्साहन देने से जुड़े साहित्य उत्सव एलआईसी गेटवे लिटफेस्ट (जीएलएफ) के पांचवें संस्करण का दो दिवसीय आयोजन 1-2 मार्च के बीच मुंबई के एनसीपीए में किया जाएगा। एलआईसी गेटवे लिटफेस्ट में इस साल युवा लेखकों की लेखन प्रतिभा का जश्न मनाया जाएगा।

जीएलएफ में 22 भारतीय भाषाओं का प्रतिनिधित्व करने वाले 60 लेखक 12 सत्रों में बंटे उत्सव के दौरान लेखन क्षेत्र में मौजूदा रुझानों पर न सिर्फ विचार-विमर्श करेंगे बल्कि एक दूसरे के अनुभवों को भी साझा करेंगे। एलआईसी गेटवे लिटफेस्ट में इस साल लगभग 40 ऐसे लेखक आकर्षण के केंद्र में होंगे, जिन्हें हाल के वर्षों में केंद्र साहित्य युवा पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है।

राष्ट्रीय स्तर पर भारतीय भाषाओं में लेखन और लेखकों के लिए जीएलएफ सबसे बड़ा मंच है, जिसका आयोजन कम्यूनिकेशन कंसल्टेंसी फर्म पैशन4कम्यूनिकेशन और मलयालम तिमाही काका ने संयुक्त रूप से किया है। जीएलएफ साहित्य उत्सव का मकसद क्षेत्रीय भाषाओं के लेखकों को एक मंच पर लाकर उनके बीच विचार-विमर्श को बढ़ावा देना है।

एलजीएफ के निदेशक और मलयालम त्रैमासिक काका के संपादक मोहन काकानदन ने कहा, युवा लेखन की उपलब्धियों को सम्मानित और प्रतिष्ठित करने की आवश्यकता है, जो क्षेत्रीय भाषाओं के लिए एक शक्तिशाली प्रतिनिधि मंच के रूप में गेटवे लिटफेस्ट के महत्व पर जोर देते हैं।

काकानदन ने बताया कि इस साल का विषय है, यूथ पॉवर इन इंडियन लिटरेचर (भारतीय साहित्य में युवाओं की ताकत), जिसमें विभिन्न साहित्यिक विधाओं युवा लेखकों की उपलब्धियों का जश्न मनाया जाएगा। अपने लेखन के जरिए कई युवा साहित्यिक लेखन क्षमता को न सिर्फ साबित कर चुके हैं बल्कि दुनिया के मंच पर खुद को स्थापित करने के लिए आगे भी बढ़ रहे हैं।

जीएलएफ के पांचवें संस्करण के मुख्य आकर्षण होंगे लगभग 40 ऐसे युवा लेखक, जिन्हें केंद्र साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित/नामित किया जा चुका है। एलजीएफ में इस साल जो प्रमुख वक्ता शामिल होंगे, उनमें पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित और साहित्य अकादमी के अध्यक्ष चंद्रशेखर कंबर, पॉल जकारिया, पेरुमल मुरुगन, रंजीत होसकोटे, मनु पिल्लई, एस. हरीश, हेमंत दिवते, रामू रामनाथन, एजे थॉमस, संगीता श्रीनिवासन, लोपा, सूर्या गोपी, अनामिका हक्सर और शोभा डे जैसी हस्तियां।

साहित्य उत्सव के सलाहकार हैं अडूर गोपालकृष्णन, प्रतिभा रे, सचिदानंदन, सीतांशु यशचंद्र, सुबोध सरकार, सचिन केतकर, लक्ष्मण गायकवाड और एस. प्रसन्नराजन, जो साहित्य, फिल्म, रंगमंच और कविता से जुड़े सत्रों के दौरान अपने विचार व्यक्त करेंगे।

ओपेन मैगजीन के संपादक और फेस्टिवल सलाहकार समिति के सदस्य एस. प्रसन्नराजन ने कहा, साहित्य के स्वाभाविक प्रवाह और पाठकों के बड़े वर्ग तक पहुंच सुनिश्चित करने में अपनी भाषा में सोचना और लिखना बहुत मायने रखता है। साहित्य को समृद्ध बनाने के लिए क्षेत्रीय भाषाओं की गहरी समझ और उसे लेखन में उतारने की दक्षता महत्वपूर्ण है।

गेटवे लिटफेस्ट के पिछले चार संस्करणों में, स्थानीय भाषाओं की व्यापक पहुंच सुनिश्चित करने का प्रयास किया गया है। सांस्कृतिक अंतराल को पाटने के लिए अनुवाद का सहारा भी लिया गया है। देर से ही सही, अब कई अंग्रेजी प्रकाशक क्षेत्रीय भाषा की रचनाओं को अनुवाद के जरिए विभिन्न संस्कृतियों से जुड़े पाठकों के व्यापक वर्ग तक पहुंचाने के लिए तैयार हैं।

साहित्य उत्सव के कार्यकारी निदेशक एम. सबरीनाथ ने कहा, अनुवाद विविध संस्कृतियों और सभ्यताओं के बीच मेलजोल बढ़ाने का दमदार माध्यम है। भाषा की प्राचीनता अनुवाद में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। एक अच्छे अनुवादित कार्य में ध्वनि पैटर्न की सही संरचना होनी चाहिए और साहित्यिक कार्यों के मूल लोकाचार को व्यक्त करना चाहिए।

उत्सव के एक और कार्यकारी निदेशक जोसेफ अलेक्जेंडर ने कहा, साहित्य वह माध्यम है जिसके जरिए विभिन्न कोणों से हम जीवन का आंकलन कर सकते हैं। यह साहित्य ही है जिसके जरिए हमें दुनिया की विभिन्न संस्कृतियों, विचारधाराओं और भिन्न दृष्टिकोणों को जानने-समझने की जानकारी मिलती है।

गेटवे लिटफेस्ट विविध क्षेत्रीय भाषाओं में लेखने से जुड़े लोगों के लिए एक व्यापक मंच प्रदान करने में सहायता करता है। इस वर्ष लगभग 22 भाषाओं के लेखक समारोह में भाग ले रहे हैं।

अधिक जानकारी के लिए हमारी वेबसाइट पर विजिट करेः

https://gatewaylitfest.com

https://en.wikipedia.org/wiki/Gateway_LitFest